



भारत का वार्तापत्र

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 12, 1988/अग्रहायण 21, 1910

No. 46] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 12, 1988/AGRAHAYANA 21, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हैं जिससे कि यह अलग संकलन के लिए भूमि रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1988

सं. सेक : 0.3.6—राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण प्रधिनियम, 1985 (1985 का 61) की वारा 38 का उपचारा (1) के साथ पठित उपचारा (2) के बंड (व) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण केवल भवान के पूर्वानुमोदन से निम्नलिखित विनियम बनाता है, प्रथम:—

1. संभित्त शीर्षक, प्रारम्भ तथा नाम होना:—

- (1) इन विनियमों को राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण (विकारीय परिवर्य) विनियम, 1988 कहा जाएगा।
- (2) ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रत्यक्ष होंगे।

(3) ये विनियम मरी कर्मचारियों, प्रशिक्षणार्थियों और प्रशिक्षुओं (उन प्रशिक्षुओं की छोड़कर जो प्रशिक्षण प्रधिनियम 1961 (1961 का 52) के शासित होते हैं) और उनके परिवारों पर लागू होंगे।

(4) मरकारी विभागों और अन्य संगठनों में प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारी उत्तराधिकारिता विकितसा परिवर्या एवं उपचार सुविधाओं का उपयोग करने के हकदार होंगे जो उनके मूल विभागों में जालब्द हों और उनकी प्रतिनियुक्ति को शर्तों में दण्डित गर्दे हों। प्रशिक्षु प्रधिनियम 1961 (1961 का 52) द्वारा शासित प्रशिक्षुओं और नैमित्तिक गजदुर्गों (उनके पारंपारिक को छोड़कर) के दोहन या डब्यूटी पर कार्य करने ममत, जैसा भी मामला हो चोट लगने पर केवल आपात-कालीन उपचार के हकदार होंगे।

१. परिचयार्थः—

इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए, जनर्म के अन्यथा अधिन न द्योते हैं—

- (1) "प्राधिकरण चिकित्सीय परिचारक" में ऐसा पंजीकृत चिकित्सक अधिकारी प्रति है जिसे प्राधिकरण द्वारा पूर्णकालिक या अंशकालिक आधार पर नियुक्त किया गया हो;
- (2) "प्राधिकरण" में राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिप्रेत है।
- (3) "सर्वम अधिकारी" से प्राधिकरण का अध्यक्ष या कोई पूर्ण कालिक सदस्य अधिप्रेत है।
- (4) "ओषधालय" से प्राधिकरण द्वारा स्थापित ऑप-धालय अधिप्रेत है—
- (5) "कर्मचारी" में अतिनियुक्त पर, प्रणिकाणी और प्रशिक्षु (उन प्रधिकारों को छोड़कर जो प्रशिक्षु अधिनियम 1961 (1961 का 52) से भासित हैं और दैनिक मजदूरी पर नैमित्तिक कर्मचारी हैं) सहित प्राधिकरण के पूर्णकालिक कर्मचारी अधिप्रेत हैं;
- (6) "परिवार" से कर्मचारी की पत्नी या पति, जैसा भी मामला हो, बच्चे और सौनले बच्चे (कानूनी वय से गोद तिए गए बच्चों सहित) जो पूर्णतया उस पर आधित हैं और कर्मचारी या उसकी पत्नी या पति के भाता-पिता जो पूर्णतया उस पर आधित हैं।
बताते कि आधित माता-पिता की आय 500/- रुपए प्रतिमास से अधिक न हो।
- (7) "अस्पताल" से भिसिटरी अस्पताल और केन्द्र अधिवा राज्य सरकार, स्थानीय प्राधिकरण अधिवा किसी शम्भ लायनिक धेन के उपचार द्वारा नियंत्रित अस्पताल सहित प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित अस्पताल, औषधालय प्रसूति केन्द्र अधिप्रेत हैं
- (8) "चिकित्सा परिचय" से प्राधिकृत चिकित्सक परिचारक अधिवा अस्पताल में या कर्मचारी के निवास स्थान के किसी अन्य पंजीकृत चिकित्सक द्वारा परिचय अधिप्रेत है जिसमें जांच की ऐसी पद्धतियां भी शामिल हैं जिन्हें चिकित्सक परिचारक अधिवा चिकित्सक द्वारा निशान एवं उपचार के प्रयोजन के लिए आवश्यक समझा जाए।
- (9) "चिकित्सा उपचार" से मधी चिकित्सीय सुविधाएं, शम्भ चिकित्सीय सुविधाएं या अन्य कोई उपलब्ध सुविधाएं जिन्हें भीमार के स्वास्थ्य साध या उसकी गिरी हुई देश को रोकने के लिए आवश्यक समझा जाए, अधिप्रेत है।

(10) "बेतन" में कर्मचारी जो देश में बेतन, महार्षी भस्ता और विशेष वेतन, यांद तांद और कर्वचारी जो हों, अधिप्रेत है।

३. औषधालयों जी स्थापना:

- (1) प्राधिकरण अपने प्रत्येक हवाई अड्डे पर और भूमध्य-सम्में औषधालयक स्थापित कर सकता है, और उपचार के लिए आवश्यक एक या ग्रामिक प्राधिकृत चिकित्सा परिचारक तथा ऐसे ही अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकता है;
- (2) औषधालयों में कर्मचारियों और उनके परिवारों को नियांत्रक वरामर्श और दक्षाईयों की सलाइ की जाएगी।

४. वरामर्श के लिए प्राधिकृत चिकित्सा परिचारक की नियुक्ति प्राधिकरण द्वारा स्थापित औषधालयों में प्राधिकृत चिकित्सा परिचारकों की नियुक्ति के अतिरिक्त, प्राधिकरण इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए किसी भी वंजीकृत चिकित्सक को प्राधिकृत चिकित्सा परिचारक के लिए में नियुक्त कर सकता।

५. व्यय की प्रतिपूर्ति:

- (1) सामान्यतया कर्मचारी या उसके परिवार के सदस्यों द्वारा अपना उपचार प्राधिकरण द्वारा स्थापित औषधालयों में कराया जाएगा और औषधालय नियांत्रक औषधियों द्वारा लगेगा।

परन्तु यह है कि जिस स्थान पर दस प्रकार का कोई औषधालय न हो, वहां कर्मचारी या उसके परिवार का सदस्य चिकित्सा उपचार के लिए किसी भी प्राधिकृत चिकित्सा परिचारक अधिवा किसी पंजीकृत चिकित्सक अधिवा किसी भी अस्पताल में अपना उपचार करवा सकेगा।

आगे यह कि जब भीमारी की प्रकृति के लिए आवश्यक सप्ताह जाए, कर्मचारी के निवास स्थान के निकटतम प्राधिकृत चिकित्सा परिचारक को कर्मचारी के उपचार के लिए कर्मचारी के निवास स्थान पर बृत्याया जा सकेगा।

- (2) प्राधिकरण चिकित्सा परिचय एवं चिकित्सा उपचार योगों के संवर्धन में सामान्यतया उपचार कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों के लिए प्रतिपूर्ति की दरें निर्धारित कर सकेगा।
- (3) जब किसी औषधालय के प्राधिकृत चिकित्सा परिचारक या चिकित्सा अधिकारी के द्वारा निहित औषध जो कर्मचारी या उसके परिवार के किसी सदस्य के उपचार के लिए आवश्यक प्रसाधन की जाए और औषधालय में उपलब्ध न हो, तो कर्मचारी ऐसी भीषधियों के क्रम पर व्यय की अनुराशि की रसीद प्रसुत करने पर व्यय की प्रतिपूर्ति का हक्कार होगा।

(4) अस्पताल में भर्ती होने की दशा में अपरेशन प्रभार पहिल अन्य संबंधित धारा प्रभारों को अधिक भारतीय शायदित्तियान द्वारा, तो दिल्ली द्वारा निर्वाचित दर्दी तक भी नियमित रूप जा सकेगा।

(5) किसी भी कर्मचारी के द्वारा प्रतिपूर्ति के समर्थन में लिए गए इस्तावेज यदि संतोषजनक नहीं हुए, तो सक्षम अधिकारी प्रतिपूर्ति के दावे को नामंतुर कर सकेगा।

(6) किसी भी कर्मचारी या उसके परिवार के किसी भी सदस्य के उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती होने के अतिरिक्त, और अधियों की दीनत, जांच प्रभार प्रयोगशाला प्रभार, किसी भी अन्य प्रकार के परीक्षण का प्रभार, परामर्श फौस और चिकित्सा पर किए गए किसी अन्य व्यय, उपचार के दावे की प्रतिपूर्ति को एक वित्तीय वर्ष में कर्मचारी के एक मास के बेतन तक सीमित किया जाएगा।

(7) ग्राधिकरण के किसी कर्मचारी अथवा उसके परिवार के किसी सदस्य के द्वारा तैनाती स्थान के अलावा, किसी अन्य स्थान पर चिकित्सा परिचर्या अथवा उपचार से संबंधित प्रभारों की प्रतिपूर्ति, कर्मचारी द्वारा अपने दावे के समर्थन में संतोषजनक सबूतों के प्रस्तुत करने पर की जाएगी, बजारों के चिकित्सा उपचार किसी ग्राधिकृत चिकित्सा परिचारक या पंजीकृत चिकित्सक या किसी अस्पताल से कराई गई हो।

6. प्रतिपूर्ति से संबंधित घर्ता

(1) किसी भी कर्मचारी द्वारा इस विनियमों के अन्तर्गत प्रतिपूर्ति के लिए दावे उपचार पूरा होने की तारीख में लेकर उम्हीने के भीतर इन विनियमों के साथ परिषिष्ट के रूप में लगे हुए कार्य में राक्षम अधिकारी को पेश किए जाएंगे।

परन्तु सक्षम अधिकारी ऐसे दावों के पेश करने में हुई देरी को माफ कर सकता है जिसमें किसी पर्याप्त कारण की वजह से पेश करने में देरी हुई हो।

(2) प्रत्येक दावे को निम्नलिखित इस्तावेजों से अनुसर्पित किया जाएगा:—

(i) ग्राधिकृत चिकित्सा परिचारक या औषधाभव्य अथवा अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी का नुस्खा।

(ii) औषधियों के खरीदते से संबंधित कैश मीमों।

(iii) परामर्श शुल्क तथा उपचार के लिए किये गए भुगतान की रसीदें।

7. यात्रा भत्ता

(1) (क) जब ग्राधिकृत चिकित्सा परिचारक द्वारा किसी कर्मचारी को तैनाती के स्टेशन से बाहर, जिसे में ही, चिकित्सा परिचर्या या चिकित्सा उपचार के लिए किसी अन्य चिकित्सा अधिकारी या विशेषज्ञ या अस्पताल में भेजा जाता है, तो कर्मचारी और उसके परिवार और मदम्ब प्राधिकरण की यात्रा भत्ता नियमावली के अन्तर्गत यात्रा भत्ते के भुगतान के लिए दृकदात देंगे।

(ख) यदि ग्राधिकृत चिकित्सा परिचारक यह प्रमाणित करे कि रायी के लिए बिना परिवर के यात्रा करना अमुराक्षित है तो एक परीचर या रोगी को ले जाने वाले व्यक्ति हो गी यात्रा भत्ता मिलेगा।

(2) जब विशेष बीमारियों जैसे टी. बी., पोलियो केन्सर और मानसिक बीमारियों आदि में किसी कर्मचारी को जिले से बाहर किसी चिकित्सा अधिकारी या विशेषज्ञ या अस्पताल में विद्यार्थी के लिए भेजा जाता है, तो उस दशा में जिले के बाहर स्थित किसी चिकित्सा अधिकारी या विशेषज्ञ या अस्पताल या सेनीटोरियम में दिखाने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति लेनी होगी।

(3) यात्रा भत्ते के लिए कर्मचारी का सक्षम नियंत्रण प्रधिकारी कर्मचारी या उसके परिवार के सदस्यों की चिकित्सा परिचर्या या चिकित्सा उपचार के लिए प्रारंभिक व्यय करने के लिए निम्नलिखित घर्तों पर यात्रा भत्ते की अप्रिय धन राशि प्रदान कर सकता है, अर्थात:—

(क) कि कर्मचारी या उसके परिवार के सदस्य का उपचार इन नियमों के अन्तर्गत हो रहा है:—

(i) बीमार के अस्पताल में भर्ती होने पर, या

(ii) टी. बी., केन्सर, पोलियो और मानसिक बीमारियों दब्यादि में बाहर रोगी के लिए में

(ख) अप्रिय धन राशि के बाले ग्राधिकृत चिकित्सा परिचारक की सिकारिश पर ही स्वीकृत की जाएगी जो प्रत्येक मासले में अपेक्षित उपचार की अवधि और उस पर होने वाले व्यय के बारे में बताएगा;

(ग) कर्मचारी द्वारा बीमारी के लिए विए गए चिकित्सा प्रतिपूर्ति के दावे में से उसे की गई अप्रिय धन राशि को समायोजित कर

लिया जाएगा और यदि अग्रिम धन राशि में से कोई राशि शेष रह जाए तो उसे कर्मचारी के बेतन में वसूल किया जाएगा; परन्तु यह कि यदि निर्धारित समय में चिकित्सा प्रतिपूर्ति के दावे को पेश नहीं किया जाता है, तो अग्रिम धन राशि को नीत वशवर की मासिक किस्तों में वसूल किया जाएगा।

(म) परिवीक्षाधीन कर्मचारियों को अग्रिम धन राशि प्राधिकरण के स्थायी कर्मचारियों की जमानत पर ही प्रदान की जाएगी।

8. आपात्काल में किए गए चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति :—इन विनियमों में दीन देते हुए, सक्षम अधिकारी प्रत्येक मासले में 500 रुपए तक के चिकित्सा व्यय के भुगतान की अनुमति देसकता है।

9. वे मासले जिन प्रतिपूर्ति नहीं की जाएँगी :—विनियम 7 के प्रावधानों के अन्तर्गत निम्नलिखित के मंत्रालय में कोई प्रतिपूर्ति अनुग्रह नहीं होगी :—

(क) आहार प्रभारों ;

(ख) सवारी प्रभारों; और

(ग) अस्पताल में रखे गए किसी परिचारक को दिए जाने वाले प्रभारों के लिये में किए गए व्यय।

10. शिधिलोकरण की शक्ति :—

(i) उपर्युक्त मासलों में अध्यक्ष द्वारा इन विनियमों के प्रावधानों में छूट दी जा सकेगी।

(ii) ऐसे छूट दिए जाने वाले मासलों की एक तिमाही रिपोर्ट प्राधिकरण को भेजी जाए।

11. व्याख्या :—यदि इन विनियमों की व्याख्या के मंत्रालय में कोई गलतीया प्रण उत्पन्न होता है, तो उसे संधाम अधिकारी को विनिर्दिष्ट किया जाएगा जो उसका निर्णय करेगा।

प्रमाणित ज. शा. राजे, प. वि. मे., पब्लिक प्र. वि. से. पदक,

अध्यक्ष

NATIONAL AIRPORTS AUTHORITY

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd December, 1988

No. SEC. 9.2.6.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (b) of sub-section (2), of section 38 of the National Airports Authority Act, 1985 (64 of 1985), the National Airports Authority hereby makes, with the previous

approval of the Central Government, the following regulations, namely :—

1. Short title, commencement and application.—

(1) These regulations may be called the National Airports Authority (Medical Attendance) Regulations, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) They shall apply to all employees, trainees and apprentices other than apprentices governed by the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961), and their families.

(4) Deputationists from Govt. Departments and other Organisations are entitled to such additional medical attendance and treatment as is provided in their parent departments and as specified in the terms and conditions of their deputation. Apprentices governed by the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961) and casual employees (excluding their families) are entitled only to emergency treatment, for injuries sustained during and in the course of their training or duty, as the case may be.

2. Definitions.—For the purposes of these regulations, unless the context otherwise requires.—

(1) "Authorised Medical Attendant" means any registered medical practitioner appointed by the Authority either on full time or part-time basis;

(2) "Authority" means the National Airports Authority;

(3) "Competent Authority" means the Chairman or any whole-time Member of the Authority;

(4) "dispensary" means a dispensary established by the Authority;

(5) "employee" means a whole-time employee of the Authority including deputationists and trainees and apprentices (other than apprentices governed by the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961) and casual employees on daily wages);

(6) "family" means the employee's wife or husband, as the case may be, children and step-children (including legally adopted children) wholly dependent upon him or her and parents of the employee and his or her spouse wholly dependent upon him or her.

Provided that the income of the dependent parents does not exceed Rs. 500 per month.

(7) "hospital" means a hospital, dispensary or maternity centre approved by the Authority and includes a 'Military Hospital' and a Hospital administered by the Central or State Government, a local authority, or any Public Sector Undertaking;

(8) "medical attendance" means attendance by an Authorised Medical Attendant or any other registered medical practitioner in a hospital or at the residence of the employee

and includes any examination for the purpose of diagnosis and treatment as may be considered necessary by the said Medical Attendant or practitioner.

(9) "medical treatment" means the use of all medical facilities, surgical facilities or any other available facilities which are essential for the recovery or for prevention of deterioration of the condition of the patient;

(10) "pay" means the salary, dearness allowance and special pay, if any, payable to an employee.

3. Establishment of dispensaries.—(1) The Authority may establish dispensary at each of its airports and at its Headquarters and appoint one or more authorised medical attendants and such other staff as may be considered necessary for the purpose of treatment.

(2) Consultation at the dispensary or supply of medicines and drugs therefrom shall be free of charge to the employees and their families.

4. Appointment of authorised medical attendant for consultation.—In addition to the appointment of authorised medical attendants at the dispensaries established by the Authority, the Authority may appoint any registered medical practitioner as an Authorised Medical Attendant, for the purposes of these Regulations.

5. Reimbursement of expenses.—(1) Medical treatment shall normally be taken by the employee or a member of his family at a dispensary established by the Authority which shall also supply medicines free of cost.

Provided that there is no such dispensary in a place, an employee or a member of his family may avail of medical treatment from any Authorised Medical Attendant or any Registered Medical practitioner or undergo treatment in any hospital.

Provided further that where the nature of the illness so demands, the Authorised Medical Attendant nearest to the residence of an employee may be called for treating the employee at his residence.

(2) The Authority shall lay down the rates of reimbursement applicable to the various categories of employees from time to time both in respect of medical attendance and medical treatment.

(3) Whenever the medicines prescribed by the Authorised Medical Attendant or Medical Officer of the dispensary and certified as being essential for the medical treatment of the employee or a member of his family are not available from the dispensary, the employee will be entitled to the reimbursement of the amount spent on the purchase of such medicines on production of receipt in proof of such purchase.

(4) The charges for hospitalisation including charges for operations and other related expenses should be restricted to the rates specified by the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi.

(5) The competent authority may disallow any claim for reimbursement if it is not satisfied with the

documentary proof adduced by an employee in support of any such claim.

(6) Any claim for reimbursement of expenses for medical treatment other than hospitalisation including the cost of medicines, investigation charges, laboratory charges, charges for conducting any tests, consultation fee, and any other charges incurred in connection with the treatment of the employee or any member of his family shall be restricted in each financial year to one month's pay of the employee.

(7) The Authority may reimburse charges in respect of medical attendance or medical treatment or both received by an employee or any member of his family at a place other than his place of posting on the basis of documentary proof in support of his claim provided that the medical treatment is taken from an Authorised Medical Attendant or a Registered Medical Practitioner or at any Hospital.

6. Conditions governing reimbursement.—(1) Claims for reimbursement by an employee under these regulations shall be preferred within a period of six months from the date of completion of treatment and such claim shall be submitted, in the Form appended to these Regulations, to the Competent Authority:

Provided that the Competent Authority may condone the delay in preferring such claim if it is satisfied that there is good and sufficient reason for not preferring the claim within the time allowed.

(2) Every claim shall be supported by the following documents namely:—

- (i) Prescription from the Authorised Medical Attendant or the Medical Officer of a Dispensary or Hospital;
- (ii) Cash Memo in respect of purchase of medicines;
- (iii) Receipt in support of payment of consultation fee and treatment.

7. Travelling Allowance.—(1) (a) Employees and their families will be entitled to payment of travelling allowance in terms of Travelling Allowance Rules of the Authority when directed by the Authorised Medical Attendant for medical attendance or medical treatment to another Medical Officer or Specialist or hospital outside the station at which the employee is posted but within the District.

(b) Travelling Allowance for one attendant or escort will also be allowed if it is certified by the Authorised Medical Attendant that it is unsafe for the patient to travel unattended.

(2) Where a reference is made in the case of special diseases e.g. T.B., Polio, Cancer, Mental diseases, etc. to Medical Officer or Specialist or hospital outside the District, prior sanction of the competent authority shall be obtained before referring the case to Medical Officer or Specialist or hospital or sanatorium situated outside the District.

(3) The Controlling Officer of the employees for the purposes of travelling allowance may grant advances to the employees to enable them to initially meet the expenditure on their own medical attendance and

medical treatment or that of their families on the following terms and conditions, namely :—

- (a) the employee or a member of his family is being treated according to these regulations :
 - (i) as an in-patient in a hospital ; or
 - (ii) as an out-patient in case of T.B., Cancer, Polio, Mental diseases, etc.
- (b) the advance will be granted only on the recommendations of the Authorised Medical Attendant, who shall indicate in each case the expected duration of the treatment and the expenditure likely to be incurred ;
- (c) the advance will be adjusted against the medical reimbursement claim submitted by the employee for the illness and the balance, if any, will be recovered from his pay ;

Provided that in the absence of any claim being presented within the time specified, the advance will be recovered in three equal monthly instalments ;

- (d) the advance will be granted to an employee on probation after obtaining necessary surety from a permanent employee of the Authority.

8. Reimbursement of Medical expenses incurred in emergencies.—Refund of medical expenses upto Rs. 500/- in each case may be allowed by the Competent Authority in relaxation of these regulations.

9. No reimbursement in certain cases.—Subject to the provisions of regulation 7, no reimbursement shall be admissible in respect of :

- (a) diet charges ;
- (b) conveyance charges ; and
- (c) charges incurred in respect of an attendant at the hospital.

10. Power to relax.—(1) In deserving cases the provisions of any of these regulations may be relaxed at the discretion of the Chairman.

(2) A quarterly report of such cases of relaxation shall be submitted to the Authority.

11. Interpretation.—If any doubt or question of interpretation of these regulations arises, the matter shall be referred to the Competent Authority who shall decide the same.

Air Marshal C. K. S. RAJE, PVSM, AVSM,
Chairman